the Government regarding the anomalies in computing the fare in the Kerala-Gulf-Sector as a result whereof they are made to pay more airfare than pasengers of other sectors;

(b) what are the details of such complaints and representations; and

(c) what are the steps being taken by Government to remove such, ano malies existing in the Air India pass enger fare for the Gulf-Kerala sector?

THE MINISTER OF CIVIL, AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD); (a) and (b) Representations have been received from different quarters including the Government of Kerala, regarding alleged disparities in air fares between Gulf & Trivandrum *vis-a-vis* other sectors.

(c) The existing fares on Gulf-Tri-vandrum sector compare favourably with fares for similar distances elsewhere. These fares, therefore, connot be regarded as anomalous.

Pilots meeting with the Minister of Civil Aviation and Tourism

3926. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 27 given in the Rajya Sabha on 23rd February, 1993 and state:

(a) whether it is a fact that the representatives of the Pilots' organisation met him very recently and requested him to settle all their outstanding demands; and

(b) if so, what are the details and the outcome of the meetings?

THE MINISTER OF CIVIL AVIA-riOM AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Air Traffc Control System at Bombay

3927. SHRI SUSHILKUMAR SHA-MBHAJIRAO SHINDE: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURIS\M be pleased to , state:

(a) whether it is a fact that Bombay Air Traffic Control System is not able to cope with the air traffic boom;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) what action Government propose to take to cope with the peak demand of air traffic?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (c) Modernisation of Air Traffic Control System for Bombay Airport has been taken up by the National Airports Authority to cater to increasing air traffic movement.

भारतीय पर्यटन वित्त निगम द्वारा संवित-रित धनराशि

3928. श्री अजीत जोगी :
श्री छोटूभाई पटेल :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान भारतीय पर्यटन वित्त निगम द्वारा कुल कितनी ऋण राशि संवितरित की गई ;

(ख) जिन परियोजनाओं के लिए ऋण दिये गये थे उनका ब्यौरा क्या है ;

(ग) निगम के पास संवितरण के लिए कुल कितनी राशि उपलब्ध है; और

(घ) क्या इसमें से कुछ धनराशि मध्य प्रदेश को भी उपलब्ध कराई गई थी ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) विगत तीन वर्षों (1989-90 से 1991-92)

के दौरान भारतीय पर्यटन वित्त निगम द्वारा कुल 100.3 करोड़ रु० की राशि वितरित की गई।

(ख) जिन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता वितरित की गई उनका ब्यौरा निम्नानुसार है :—

(रु० करोड़ों में)

	1989–90	1990–91	1991–92
होटल	9.8	36.8	45.2
मनोरंजन पार्क	1.8	2.1	3.00
कारों का किराया (कार रेंटल)	0.9	0.3	—
अन्य	0.3	—	0.1
	12.8	39.2	48.3

(ग) चालू वर्ष के दौरान भारतीय पर्यटन वित्त निगम में उपलब्ध संसाधनों का अनुमान 60 करोड़ रु० लगाया गया है।

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान निगम द्वारा मध्य प्रदेश में वितरित की गई कुल राशि 1.30 करोड़ रु० की है।

कालीकट और शारजाह के बीच इंडियन एयरलाइंस की उड़ान

3929. **श्री अजीत जोगी :**
श्री छोटूभाई पटेल :

क्या **नागर विमानन और पर्यटन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इंडियन एयरलाइन्स ने कालीकट और शारजाह के बीच एक नई उड़ान शुरू की है ;

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त उड़ान कब शुरू की गई थी ;

(ग) सरकार और इंडियन एयरलाइन्स द्वारा क्रमशः आमंत्रित किए गए यात्रियों समेत ऐसे यात्रियों की संख्या कितनी-कितनी है जिन्होंने इस उड़ान का भाड़ा दिया है/नहीं दिया है ;

(घ) विदेशों से कालीकट तथा भारत के अन्य भागों में आमंत्रित किए गए व्यक्तियों के विमान भाड़ों तथा आतिथ्य आदि पर कुल कितना खर्च हुआ है; और

(ङ) इन यात्रियों द्वारा कालीकट से शारजाह तक की मुफ्त हवाई यात्रा के कारण राजकोष को कुल कितनी क्षति हुई ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) जी, हां। उद्घाटन उड़ान की तारीख 15–2–1992 थी।

(ग) उड़ान में 43 भाड़ा देने वाले और 65 भाड़ा न देने वाले यात्री (छः इंडियन एयरलाइन्स कर्मचारी सहित) थे।

(घ) उद्घाटन उड़ान पर आमंत्रित मेहमानों के आतिथ्य पर भारतीय मुद्रा में लगभग 15,000/– रुपए और विदेशी मुद्रा में लगभग 3.15 लाख रुपए खर्च हुए। विभिन्न स्थानों से कालीकट में आमंत्रित व्यक्तियों की आन्तरिक यात्रा पर लगभग 1.85 लाख रुपए खर्च हुए।

(ङ) उद्घाटन उड़ानों पर विशिष्ट मेहमानों को ले जाने के लिए एयरलाइनों की यह एक सामान्य परिपाटी है। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ के संकल्प में इसके लिए व्यवस्था है, और ऐसा समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार के लाभ की दृष्टि से किया जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए, इंडियन एयरलाइन्स पर इस कारण हुए घाटे का दायित्व नहीं डाला जा सकता।